मुख्यमंत्री आज बीसलपुर बाँध पर जल पूजन व भरतपुर में गंगा आरती करेंगे

''वंदे गंगा जल संरक्षण जल अभियान'' का समापन मुख्यमंत्री 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर करेंगे

जयपुर, 24 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा 25 मई से 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की जा रही है। गंगा दशमी के शुभ अवसर पर प्रारंभ होने वाला यह अभियान विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की साफ-सफाई या पौधारोपण तक सीमित नहीं होकर, समाज के प्रत्येक वर्ग को जल संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए इसे जीवन का प्रण बनाना है। इसी को ध्यान में रखते हुए, इसमें प्रशासन के साथ पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संगठनों, उद्योगपतियों, युवाओं, महिलाओं और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- इस अभियान के तहत गाँव-गाँव में कुएं, बावड़ी, तालाब, जोहड़ जैसे जल स्रोतों की सफाई के साथ दीप दान होगा।
- समापन समारोह में हर जिले में जल योद्धाओं को ''जल गौरव सम्मान'' दिया जाएगा।

प्रदेश में वर्षा की अनियमितता और लगातार बढ़ ती जल आवश्यकताओं को देखते हुए परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण को अभियान का मुख्य आधार बनाया गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री 25 मई को टोंक में बीसलपुर बांध पर जल पूजन और शिव मंदिर में अभिषेक के साथ अभियान का शुभारंभ करेंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री ईसरदा, बंध बरेठा और गालवा बांध का हवाई सर्वेक्षण भी करेंगे। इसी दिन मुख्यमंत्री भरतपुर के गंगा माता मंदिर में आरती और सुजानगंगा नहर में दीपदान भी करेंगे।

प्रदेशभर में इसी दिन कुओं, बावड़ियों, तालाबों, नहरों एवं अन्य जल स्त्रोतों के पूजन के साथ जिला स्तरीय अभियान की शुरुआत होगी।

मंगलवार, 26 मई को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जल संरक्षण एवं जनभागीदारी को लेकर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे। 27 मई को पशुपालन, गोपालन, देवस्थान विभाग, आरसीडीएफ एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा गोशालाओं, पशु चिकित्सालयों और दुग्ध संघों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 28 मई को रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, कृषि उपज मंडियों सहित, सार्वजनिक स्थलों पर भामाशाहों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से 'वंदे गंगा जल सेवा' आयोजित की जाएगी। 29 मई को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं राजीविका द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन तालाबों, जोहड़ों एवं अन्य जल स्त्रोतों की मैपिंग, साफ-सफाई और मरम्मत के कार्यों के साथ ही, मुख्य मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसी प्रकार 30 मई को जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के अंतर्गत पूर्ण कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण के अलावा नए कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा।

रविवार, 31 मई को पंचायती राज विभाग एवं खेल विभाग द्वारा स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से वंदे गंगा प्रभात फेरियां, साइकिल रैलियां और जागरूकता अभियान रैलियां निकाली जाएंगी। 1 जून को कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा स्प्रिंकलर, ड्रिप, फार्म पॉण्ड एवं पाइपलाइन जैसी सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों पर कार्यशाला एवं प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार 2 जून को जल संसाधन विभाग द्वारा नदियों, बांधों, सरोवरों एवं नहरों पर पूजन कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं, नहरों और खालों की साफ-सफाई तथा गाद निकालने के कार्य किए जाएंगे।

बुधवार, 3 जून को जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर विशेष नवाचार एवं अभिनव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

साथ ही, ऊर्जा विभाग द्वारा ट्रांसफॉर्मर्स के आस-पास साफ-सफाई के अलावा, सौर ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान किया जाएगा। 4 जून को जिला स्तर पर जल एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर निबंध, नारा लेखन, चित्रकला, खेलकूद प्रतियोगिताएं और नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को वन विभाग द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गड्ढे खोदने, वन क्षेत्र की जल संरचनाओं की गाद निकालने एवं अवलोकन-लोकार्पण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जल संरक्षण एवं जनभागीदारी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले भामाशाहों, संस्थाओं, पंचायतों, नगर निकायों और जल योद्धाओं को जल गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा।

मायावती ने यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं की बैठक ली

लखनऊ, 24 मई। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को यूपी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बसपा की एक बार फिर से सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता कोई कसर न छोड़ें और पूरे जी जान से वोट की सुरक्षा करें।

बसपा प्रमख मायावती ने रविवार को यहां 12 माल एवेन्यू स्थित पार्टी मुख्यालय पर सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, कोऑर्डिनेटर और जिलाध्यक्षों के साथ एक बैठक की। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि देश में चुनाव जिस प्रकार की नई-नई चुनौतियों के बीच हो रहे हैं, उसको देखते हुए पार्टी की तैयारियों को हर स्तर पर और भी चुस्त-दुरुस्त और मुस्तैद बनाने की जरूरत है।

भिवाड़ी की बंद पटाखा फैक्टरी में दूसरी बार आग लगी

फैक्टरी के सीलबंद होने के कारण अन्दर मजदूर नहीं थे, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई

अलवर, 24 मई (निसं)। भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एक सील बंद अवैध पटाखा फैक्टरी में रविवार को फिर आग लग गई। यह घटना मात्र 10 दिन के अंदर दूसरी बार हुई है। फैक्टरी पहले से सील होने के कारण अंदर कोई मजदूर नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है।

- 13 मई को इसी फैक्टरी में तथा 16 मई को इसी मालिक की दूसरी पटाखा फैक्टरी में आग लगी थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फैक्टरी के पहले तल पर आग लगी है। अंदर भारी मात्रा में पटाखों का स्टॉक होने से रुक-रुककर जोरदार धमाके हो रहे हैं। चारों तरफ घना धुआं फैला हुआ है। खुशखेड़ा रीको फायर स्टेशन की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं तथा आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर अभी तक पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। फैक्टरी सील होने और बाहर 24 घंटे पुलिस कर्मचारियों का पहरा रहने के बावजूद, 10 दिन के अंदर दो बार आग लगने की घटना ने स्थानीय लोगों में आश्चर्य और संदेह पैदा कर दिया है। कई लोग इसे संदिग्ध मान रहे हैं और चर्चा कर रहे हैं कि कहीं फैक्टरी मालिक को बचाने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा। इससे पहले, 13 मई को इसी फैक्टरी में अज्ञात कारणों से आग लगी थी, जो पहले तल पर रखे पटाखों और पैकिंग सामग्री तक सीमित रह गई थी। दमकल की त्वरित कार्रवाई से उस समय आग पर काबू पा लिया गया था। यह फैक्टरी संचालक हेमंत सचदेवा की बताई जा रही है। 16 फरवरी 2026 को इसी मालिक की दूसरी पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लगी थी, जिसमें 9 मजदूर जिंदा जलकर मौत का शिकार हो गए थे। उस मामले में भिवाड़ी पुलिस के तत्कालीन थाना इंचार्ज मुकेश कुमार और कांस्टेबल योगेश शर्मा की भूमिका सामने आई थी।

गोगुन्दा में भालूओं के हमले में दो ग्रामीण गंभीर रूप से घायल

खेत में कार्य कर रहे दोनों ग्रामीणों के मुँह, गर्दन और छाती पर भालुओं ने दाँतों व नाखूनों के गहरे घाव किये

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के गोगुंदा उपखंड में स्थित सायरा इलाके में रविवार को खेत में कार्य कर रहे दो ग्रामीणों पर भालुओं ने अचानक हमला कर दिया, जिससे दोनों ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गये। भालुओं ने ग्रामीणों के मुंह, गर्दन और छाती पर अपने तीखे दांतों और नाखूनों से गहरे घाव किए हैं। पुनावली और कुम्हारवास गांव में यह घटना रविवार सुबह करीब आठ बजे हुई। पहली घटना पुनावली गांव में हुई, जहां चुन्नीलाल पालीवाल अपने खेत पर काम कर रहे थे। तभी भालू ने उन पर हमला कर दिया। दूसरी घटना कुम्हारवास गांव में हुई, जहां अंबालाल प्रजापत भालू के शिकार हुए। दोनों ही घटनाओं में भालुओं ने अचानक हमला किया, जिससे पीड़ितों को संभलने का मौका नहीं मिला। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के खेतों में काम कर रहे अन्य ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े। ग्रामीणों को अपनी तरफ आता देख भालू खेतों की तरफ भाग निकले। इस दौरान कई लोगों ने भालू को घरों के पीछे खेतों में तेजी से भागते हुए देखा।

- एक साथ दो अलग-अलग गाँवों में एक साथ हुई घटना से क्षेत्र में भय का वातावरण बन गया है। लोग अपने घरों से निकलने में डर रहे हैं तथा खेतों पर जाने से कतरा रहे हैं।

मौके पर मौजूद कुछ युवाओं ने भागते हुए एक भालू का अपने मोबाइल से वीडियो भी बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। घटना के तुरंत बाद घायल चुन्नीलाल पालीवाल और अंबालाल प्रजापत को उनके परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सायरा के अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टरों ने दोनों घायलों को तुरंत उपचार दिया। घटना के बाद से पुनावली और कुम्हारवास दोनों ही गांवों में दहशत फैली हुई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि एक साथ दो अलग-अलग गांवों में भालुओं के घुस आने से लोग अब अपने घरों से बाहर निकलने में भी बहुत डर रहे हैं। डर के कारण लोग खेतों पर जाने से कतरा रहे हैं। परेशान ग्रामीणों ने इस पूरी घटना की जानकारी तुरंत स्थानीय वन विभाग के अधिकारियों को दी है। उन्होंने वन विभाग की टीम से मांग की है कि इस मामले में जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की जाए।

राजौरी के जंगलों में सुरक्षा बलों ने आंतकवादियों को घेरा

आतंकियों के भागने की कोशिश विफल करने के लिए भारी सुरक्षा बल भेजा गया है

राजौरी, 24 मई। पीर पंजाल बेल्ट में रविवार को एक बड़ा आतंकवाद विरोधी अभियान तेज हो गया, क्योंकि राजौरी जिले के घने गमबीर मुगलान वन क्षेत्र में छिपे भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई है। भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के इस संयुक्त खुफिया नेतृत्व वाली घेराबन्दी और खोज अभियान (सीएएसओ) के लगातार दूसरे दिन यह सफलता मिली है।

- राजौरी के गमबीर मुगलान वन क्षेत्र में ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाके तथा घने जंगल हैं। सुरक्षा कर्मियों के लिए यहाँ तलाशी अभियान चलाना चुनौतीपूर्ण होता है।

भारतीय सेना की वाइट नाइट कोर के अनुसार सुरक्षाबलों ने शनिवार को तलाशी शुरू किया था, जिसके बाद रविवार सुबह लगभग 11:30 बजे आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित किया गया। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि दो से तीन संदिग्ध आतंकवादियों के घने वन क्षेत्र में फंसे होने की आशंका है। भागने की किसी भी कोशिश को रोकने के लिए ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों के आसपास सुरक्षा घेरा कड़ा करते हुए भारी सुरक्षाबल को घटनास्थल पर भेजा गया है। राजौरी जिले के पीर पंजाल बेल्ट में स्थित गमबीर मुगलान वन क्षेत्र अपने ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों और घने जंगल के लिए जाना जाता है, जिससे सुरक्षा कर्मियों के लिए तलाशी अभियान चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

छत्तीसगढ़ के जंगलों से हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद

कांकेर, 24 मई। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के सीमावर्ती जंगलों में सुरक्षाबलों ने सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों के छिपाए गए हथियारों, उपकरणों और विस्फोटक के चलते बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली खुफिया सूचना के आधार पर की गई। इस दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार, बीजीएल लांचर, विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर, गन पाउडर, नक्सली वर्दियां और नक्सली उपयोग की वस्तुएं बरामद कीं।

प.बंगाल में फलता सीट पर भाजपा एक लाख वोटों से जीती

तृणमूल प्रत्याशी के मतदान से पहले मैदान छोड़ने के बाद भाजपा की जीत निश्चित मानी जा रही थी

कोलकाता, 24 मई। पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर हुए पुनर्मतदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए तृणमूल कांग्रेस के मजबूत गढ़ को ध्वस्त कर दिया। भाजपा प्रत्याशी देबाशीष पांडा ने एक लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की। इस परिणाम को राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने इसे तृणमूल कांग्रेस के पतन की शुरुआत बताते हुए पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि फलता की जनता ने वर्षों बाद स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान कर लोकतंत्र को पुनर्स्थापित किया है। उपचुनाव के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी जहांगीर खान को लेकर रही। मतदान से दो दिन पहले उन्होंने चुनाव मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद भाजपा की जीत लगभग तय मानी जा रही थी। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने प्रचार के अंतिम दिन भाजपा प्रत्याशी को एक लाख वोटों से जिताने का लक्ष्य रखा था। मतगणना के 18 राउंड तक भाजपा उम्मीदवार करीब 92 हजार वोटों से आगे चल रहे थे, जबकि अंतिम जीत का अंतर एक लाख आठ हजार से अधिक पहुंच गया।

बद्रीनाथ यात्रा मार्ग में कंचनगंगा में हुआ हिमस्खलन

चमोली, 24 मई। उत्तराखंड के चमोली जिले के बदरीनाथ यात्रा के दौरान कंचनगंगा क्षेत्र में हिमस्खलन की घटना सामने आई है। घटना के दौरान, आसपास मौजूद यात्रियों और स्थानीय लोगों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। लेकिन प्रशासन का कहना है कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि अथवा संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ है और स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। चमोली जिलाधिकारी गौरव कुमार ने रविवार को बताया कि हिमस्खलन सड़क तक नहीं पहुंचा और खाई क्षेत्र में ही रुक गया, जिससे यातायात एवं आम जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ।

अजित डोभाल से मिले अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो

नई दिल्ली, 24 मई। अमेरिका के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्क रूबियो ने रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता में विशेष रूप से 'ट्रस्ट' (रणनीतिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधों का रूपांतरण) पहल से जुड़े सहयोग को आगे बढ़ ाने पर जोर दिया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

शटल ट्रेन पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के सैन्य कर्मी क्वेटा कैंट से क्वेटा रेलवे स्टेशन जा रहे थे। वहां से इसे जाफर एक्सप्रेस से जुड़ना था। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन में 336 यात्री सवार थे। इस घटना में कम से कम 27 सैन्य अधिकारी मारे गए और 131 से अधिक घायल हो गए। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ ने की आशंका है।

पुलिस प्रारंभिक जांच में इसे आत्मघाती हमला मान रही है। विस्फोट के बाद वायरल हुए वीडियो में रेलवे ट्रैक के आसपास कई बोगियों से धुआं उठता दिख रहा है। सूचना मिलते ही बचावकर्मी, पुलिस और दमकल कर्मी पहुंचे। पाकिस्तान के रेलमंत्री हनीफ अब्बासी ने घटना की पुष्टि की है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए के प्रवक्ता जयंद बलोच ने कहा कि इस घटना को बीएलए के मजीद ब्रिगेड ने अंजाम दिया। जयंद के बयान में कहा गया है कि शटल ट्रेन में पाकिस्तानी सेना के जवान और अफसर यात्रा कर रहे थे। उन्हें निशाना बनाया गया। संघीय अधिकारियों के अनुसार, क्वेटा और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ ा दी गई है। रेलवे ट्रैक, रेलवे स्टेशनों और संवेदनशील स्थानों की निगरानी बढ़ ा दी गई है। क्वेटा के सभी अस्पतालों में आपातकाल घोषित किया गया है।

कर्नाटक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। परिवार और करीबी लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि आत्महत्या के पीछे की वजह का पता लगाया जा सके।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद होने के बाद छात्रों में तनाव और चिंता के कई मामले सामने आए हैं।

अडानी की कंपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ ''परसा कैंटे कॉलैरीज़ लिमिटेड'' ने राजस्थान हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां इस कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रम नानकानी पैरवी के लिए पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि कमर्शियल कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते समय कोई ऐसा कारण स्पष्ट नहीं किया, जिससे आर्बिट्रेटर द्वारा पारित अवार्ड रद्द किया जा सके। उन्होंने अदालत को कहा कि आर्बिट्रेशन एक्ट 1996 की धारा 34 के तहत कमर्शियल कोर्ट को केवल यह देखना होता है कि पारित किया गया अवार्ड किसी जालसाजी अथवा भ्रष्टाचार से ग्रसित नहीं हो। इसके अलावा यह देखना होता है कि अवार्ड, भारत सरकार या समाज की नीति के विपरीत तो नहीं है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल कोर्ट ने पूरे मामले को ऐसे सुना, जैसे कोई अपील दायर की गई हो और जो तथ्य आर्बिट्रेटर के समक्ष रखे गए थे, उसे नए नजरिये से देखा और अवार्ड खारिज कर दिया।

सभी पक्षों को सुनने के बाद, राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने माना कि कमर्शियल कोर्ट ने नियम-कायदों के दायरे से बाहर जाते हुए मामले को अपील की तरह सुना और सभी तथ्यों को नए नजरिए से देखते हुए अवार्ड खारिज करने का आदेश दिया था, जो कि गलत है। अदालत ने कहा कि, राज्य विद्युत उत्पादन निगम को ''कानून में आए बदलाव'' के कारण अडानी की कंपनी ''परसा कैंटे कॉलैरीज़ लिमिटेड'' को अतिरिक्त खर्च की राशि 66.70 करोड़ रुपए का भुगतान करना पड़ेगा।

शिक्षा मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा ''जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते और नीट जैसी पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत और फुलप्रूफ व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा।''गौरतलब है कि कांग्रेस लगातार नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने में विफल रही है।

कॉकरोच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ थीं, जो फर्जी डिग्रियों और फर्जी योग्यताओं के जरिए वकालत के पेशे में आ रहे हैं।

नीट रद्द होने के तनाव में जान देने वाले के घर गये सचिन पायलट

उन्होंने गुढ़ागौड़जी में प्रदीप मेघवाल के परिजनों को भरोसा दिलाया कि न्याय दिलाने के लिए भरसक प्रयास होगा

-कार्यालय संवाददाता-

झुंझुनूं/जयपुर, 24 मई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को गुढ़ागौड़जी पहुंचकर नीट-2026 परीक्षा में शामिल हुए छात्र स्व. प्रदीप मेघवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढ ांढ़ स बंधाया। गौरतलब है कि नीट के पेपरलीक के बाद यह परीक्षा रद्द होने से मानसिक तनाव के चलते प्रदीप की जान चली गई। पायलट जब मृतक प्रदीप के घर पहुंचे तो परिजन उनके समक्ष रो पड़े। प्रदीप मेघवाल के पिता और परिजनों ने पूरे घटनाक्रम का लिखित विवरण सौंपते हुए न्याय की मांग की। बातचीत के दौरान माहौल भावुक हो गया और परिजनों की आंखें नम हो गई। पायलट ने परिवार को भरोसा दिलाया कि इस मामले में न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बेनकाब किया जाएगा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को गुढ़ागौड़जी में नीट के छात्र स्व. प्रदीप मेघवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढ ांढ़ स बंधाया।

सचिन पायलट ने शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि नीट पेपर लीक प्रकरण केवल सरकार-प्रशासन की विफलता नहीं हैं, बल्कि यह हमारे देश के युवाओं के भविष्य के साथ किया जा रहा एक जघन्य अपराध है। नीट पेपर लीक ने देश के 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों के सपनों और उनकी वर्षों की मेहनत को कुचल कर रख दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रदीप मेघवाल जैसा प्रतिभाशाली छात्र, जो डॉक्टर बनने का सपना देख रहा था, उसका इस तरह दुनिया से चले जाना बेहद पीड़ादायक है। यह केवल एक परिवार का दु:ख नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था की नाकामी का बड़ा प्रतीक है। सरकार शिक्षा माफियाओं को संरक्षण देना बंद करे। लाखों युवा दिन-रात मेहनत करके परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार और पेपर लीक माफिया उनकी मेहनत, उम्मीद और भविष्य पर पानी फेर देते हैं। अब इस अन्याय के खिलाफ निर्णायक लड़ाई जरूरी हो गई है। पायलट ने कहा कि जिस विभाग में बार-बार पेपर लीक जैसी घटनाएं हो रही हैं, उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

- पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि यह पूरी तरह स्पष्ट हो चुका है कि यह पेपर लीक कोई छिटपुट घटना नहीं है, बल्कि यह करोड़ों रूपयों का सुनियोजित खेल है, जिसे बड़े शिक्षा माफिया चला रहे हैं।

पायलट ने कहा कि यह पूरी तरह से स्पष्ट हो चुका है कि यह पेपर लीक कोई छिटपुट घटना नहीं है, बल्कि करोड़ों रुपयों का एक सुनियोजित खेल है, जिसे बड़े शिक्षा माफिया चला रहे हैं। यह बेहद हैरानी की बात है कि जब पहली बार गड़बड़ी की बात सामने आई, तब प्रदेश की सरकार ने समय पर एफआईआर दर्ज करने में आनाकानी क्यों की?

उन्होंने कहा कि जब पुलिस अधिकारियों को खुद इस गड़बड़ी का अंदेशा था और दिल्ली में छात्रों के व्यापक विरोध के बाद एनटीए ने भी सरकार को सचेत कर दिया था, तब भी मामले पर पर्दा डालने का प्रयास किया गया। सरकार ने अपनी इच्छाशक्ति से कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि जब छात्रों ने खुद ''गेस पेपर'' और असली पेपर का मिलान कर इस महाघोटाले को बेनकाब कर दिया, तब जाकर मजबूरी में सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े। छोटी-छोटी बातों श्रेय लेने वाली और बड़े मगरमच्छों को पकड़ने का वादा करने वाली सरकार अब तक केवल दिखावे की कार्रवाई कर रही है और असली सरगनाओं को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस दौरान झुंझुनूं सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला, उदयपुरवाटी विधायक भगवानाराम सैनी, पिलानी विधायक पीतराम काला, लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रफीक मंडेलिया सहित, कई जनप्रतिनिधि और कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908